

संयुक्त निरीक्षण रिपोर्ट

परियोजना का नाम जनपद चमोली में परखाल-कंदारकोट मोटर मार्ग के किमी० 13 से ग्राम कुश व कुशदेव महादेव हेतु मोटर मार्ग के निर्माण हेतु 1.753 हे० वन पंचायत, कुल 1.753 हे० वन भूमि का लोक निर्माण विभाग को हस्तान्तरण प्रस्ताव।

आज दिनांक 27/12/2014 को लोक निर्माण विभाग के द्वारा जनपद चमोली में परखाल-कंदारकोट मोटर मार्ग के किमी० 13 से ग्राम कुश व कुशदेव महादेव हेतु मोटर मार्ग हेतु स्थल निरीक्षण किया गया। संयुक्त निरीक्षण के समय वन विभाग की ओर से श्री राम लाल, वन दरोगा, राजस्व विभाग की ओर से श्री विनोद कुमार राजस्व उपनिरीक्षक, प्रस्तावक विभाग की ओर से श्री धीरेन्द्र कुमार लोशाली, सहायक अभियन्ता, श्री जगमोहन मेहरा, कनिष्ठ अभियन्ता अन्य दावेदारों की ओर से स्थानीय ग्रामीण तथा स्थानीय प्रतिनिधि के रूप में ग्राम प्रधान भंगोटा के द्वारा प्रश्नगत परियोजना को बनाने हेतु सर्वश्रेष्ठ स्थल/समरेखन के चयन तथा अन्य वैकल्पिक स्थलों/समरेखनों के चयन हेतु भाग लिया गया।

संयुक्त निरीक्षण में पाया गया कि सामाजिक आवश्यकता, परिस्थितिक आवश्यकता, आर्थिक मितव्यता तथा तकनीकी आवश्यकता के दृष्टि से जो समरेखन/स्थल सर्वथा उपयुक्त पाया गया है उसमें 2000 (मी०) वन पंचायत से, वन भूमि प्रभावित होगी एवं इस समरेखन/स्थल के चयन में कुल 1.753 हे० वन पंचायत, वन भूमि की आवश्यकता होगी। जिनमें से कुल 1.753 हे० भूमि के हस्तान्तरण की आवश्यकता होगी। इस समरेखन पर / चुने गये स्थल पर लगभग 175 वृक्ष बाँज, अयार, काफल, चीड़, जामुन, रुईण कुकाट, आंवला, कलमुड़ा कुकाट, मवा कुकाट प्रजाति के इस परियोजना के निर्माण से प्रभावित होंगे, जिनमें से 46 बाँज प्रजाति के प्रभावित होंगे।

इस समरेखन के तुलना में जो वैकल्पिक समरेखन देखे गये उसमें 2500 मी० वन पंचायत भूमि, प्रभावित होगी एवं इस समरेखन/स्थल के चयन में कुल 2.150 हे० वन पंचायत, वन भूमि की आवश्यकता होगी। जिनमें से कुल 2.150 हे० भूमि के हस्तान्तरण की आवश्यकता होगी। इस समरेखन पर / चुने गये स्थल पर लगभग 202 वृक्ष बाँज, अयार, काफल, चीड़, जामुन, रुईण कुकाट, आंवला, कलमुड़ा कुकाट, मवा कुकाट प्रजाति के इस परियोजना के निर्माण से प्रभावित होंगे, जिनमें से 80 बाँज प्रजाति के प्रभावित होंगे।

अतः परियोजना के निर्माण हेतु चयनित विकल्प संख्या प्रथम के वन भूमि के अतिरिक्त अन्य वैकल्पिक एवं उपयुक्त भूमि उपलब्ध नहीं है तथा इस चुने गये वन भूमि की मांग न्यूनतम है।

प्रभावित होने वाली सिविल तथा वन पंचायत भूमि पर बाज, अंगार, काफल, चीउ, जामुन, रूईण कुकाट, आवला, कलमुड़ा कुकाट, मवा कुकाट प्रजाति के वन हैं जिनका वर्तमान वन आच्छादन है। चुने गये समरेखन का प्रारम्भ होने के स्थल का जी०पी०एस० मान 30 10' 59.38" उ०, 79 22' 58.49" पू० है तथा यह स्थल भंगोटा से प्रारम्भ होता है तथा समरेखण का अन्तिम स्थल कुश है जिसका जी०पी०एस० मान 30 11' 13.68" उ०, 79 23' 39.41" पू० है। चुने गये समरेखण/स्थल के बीच के स्थलों के जी०पी०एस० मान 30 10' 48.75" उ०, 79 23' 2.43" पू० हैं।

चयनित समरेखन में शून्य पौधों को अन्य स्थानान्तरित (translocate) किया जाना आवश्यक होगा। चयनित उपयुक्त स्थल/समरेखण किसी राष्ट्रीय पार्क/वन्य जीव अभ्यारहण्य का हिस्सा नहीं है। चयनित उपयुक्त स्थल/समरेखण के चयन से ग्रामवासियों के परम्परागत अधिकारों का हनन नहीं होगा।

इस समरेखण पर उक्त परियोजना के निर्माण के दौरान जो मलवा उत्सर्जित होगा उसके निस्तारण हेतु किमी० 1 में स्थल उपयुक्त पाये गये हैं जिनका जी०पी०एस० मान 30 10' 58.11" उ०, 79 22' 58.74" पू० / 30 10' 48.75" उ०, 79 23' 2.43" पू० हैं।

अधिशायी अभियन्ता
निर्माण खण्ड लो० नि० वि०
थराली, (यमोली)

बटवारी
(राजस्व विभाग प्रतिनिधि)
जिला बमोता (उत्तरांचल)

वन सहायिका
परिचालन अधिकारी
मोरायनगड

तहसीलदार
थराली
प्रति हस्ताक्षरित
जिलाधिकारी

प्रति हस्ताक्षरित
प्रमोदी वनाधिकारी
बमोता
बोपेश्वर (यमोली)